ज्योतिर्विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

[षाण्मासिक पी-एच०डी०-पाठ्यक्रमाभ्यास]

(One Semester Ph.D. Course Work)

ज्योतिर्विज्ञान विभागीय षाण्मासिक पी-एच०डी०-पाठ्यक्रमाभ्यास (Ph.D. Course Work) के अन्तर्गत दो प्रश्नपत्र होगें, प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णाङ्क 70 होगा तथा 30 आन्तरिक मूल्याङ्कन हेतु अपेक्षित होगें। पाठ्यक्रम अधोलिखित है -

पी-एच० डी० (ज्योतिर्विज्ञान) षण्मास-सत्र

(Ph.D. Jyotirvijnana-One Semester)

प्रथम प्रश्नपत्र

(First paper)

शोध-प्रविधि

समय - 03 घण्टे **(Research Methodology)** पूर्णाङ्क 70

प्रथम-वर्ग **(Unit-I)**

शोध की परिभाषा, शोध के प्रकार, शोध सामग्री सङ्कलन तथा शोध संक्षिप्तिका निर्माण।

द्वितीय वर्ग **(Unit-II)**

सन्दर्भ तथा उद्धरण के नियम, सन्दर्भ ग्रन्थसूची निर्माण, साङ्केतिकसूची निर्माण तथा अनुबन्ध सूची निर्माण।

तृतीय वर्ग **(Unit-III)**

पाण्डुलिपि विज्ञान, मातृकापाठपरिष्करण तथा पाठालोचन प्रविधि।

चतुर्थ वर्ग **(Unit-IV)**

कैटेलॉगस-कैटलागोरम, मातृकाग्रन्थ विवरणसूची, शोध में कम्प्यूटर का प्रयोग।

संस्तुत ग्रन्थ-

1. अनुसन्धानपद्धति - डॉ० भगीरथ प्रसाद त्रिपाठी
2. साहित्यानुसन्धानावबोधप्रविधिः - प्रो० रहस बिहारी द्विवेदी
3. अनुसन्धानस्यप्रविधिप्रक्रिया - प्रो० नागेन्द्र अनु० डॉ० हर्षनाथ
4. पाण्डुलिपि विज्ञान - डॉ० सत्येन्द्र
5. पाठालोचन - डॉ एस० एम० कत्रे
6. Methodology in Indological Research-M. Sriman Narain Murthy
7. भारतीय ज्योतिष - श्री शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित

द्वितीय प्रश्नपत्र

(Second paper)

ज्योतिष के मूलभूत सिद्धान्त

(Fundamental Principle of Astrology)

समय - 03 घण्टे पूर्णाङ्क 70

प्रथम-वर्ग (Unit-I)

केतकीग्रहगणितम् - त्रिप्रश्नाधिकारः

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

भावार्थरत्नाकरः - रामानुजः

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सिद्धान्त ज्योतिष तथा संहिता ज्योतिष में शोध के क्षेत्र

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

होरा ज्योतिष तथा वास्तुशास्त्र में शोध के क्षेत्र

<u>संस्तुत ग्रन्थ-</u>

1. केतकीग्रहगणित - डॉ० भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'
2. भावार्थरत्नाकर - पं० जगन्नाथ भसीन
3. सूर्यसिद्धान्त - प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय
4. सिद्धान्त शिरोमणि (गणिताध्याय) - प्रो० बृजेश कुमार शुक्ल
5. सिद्धान्त शिरोमणि (गोलाध्याय) - पं० केदारदत्त जोशी
6. बृहत्संहिता - पं० अच्युतानन्द झा
7. नारदसंहिता - पं० रामजन्म मिश्र
8. बृहत्पाराशरहोरासार - पं० देवचन्द्र झा
9. बृहज्जातक - पं० केदारदत्त जोशी
10. सारावली - डॉ० मुरलीधर चतुर्वेदी
11. वास्तुरत्नाकर - श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी
12. बृहद्वास्तुमाला - डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
13. मयमतम् - डॉ० शैलजा पाण्डेय
14. सिद्धान्त तत्त्व विवेक - डॉ० कृष्ण चन्द्र द्विवेदी